लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।

तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 38 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 18-06-2024 से 24-06-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

पीएम नरेंद्र मोदी श्रीनगर में मनाएंगे योग दिवस, 'मन की बात' कार्यक्रम की भी फिर होगी शुरुआत

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी इस साल योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में होने वाले आयोजन में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम डल झील के पास ही स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। जाधव ने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम है, योग स्वयं और समाज के लिए। जाधव ने कहा कि इस थीम का अर्थ है कि कैसे हम योग से खुद की आतंरिक शक्ति बढ़ा सकते हैं और समाज का भी कल्याण इससे संभव है। मंत्री ने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक औक आध्यात्मिक विकास होता है। इसके अलावा समाज में भी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अपील की है कि गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाया जाए और उन्हें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। यही नहीं इस दौरान उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए ब्रेल लिपि में एक पुस्तक भी रिलीज की, जो योग पर आधारित है। यह पुस्तक बच्चों को योग सीखने और उसका अभ्यास करने में मदद करेगी। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस के प्रस्ताव को माना था और तब से ही हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

योग दिवस के अलावा पीएम मोदी इस सप्ताह के रविवार से दोबारा मन की बात कार्यक्रम शुरू करने वाले हैं। आगामी 30 जून को एक बार फिर आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यकम 'मन की बात' में देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर खुद यह जानकारी दी।

जटिया की पत्नी का अंतिम संस्कार, मुख्यमंत्री हुए शामिल

उज्जैन। भाजपा संसदीय बोर्ड, केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण जटिया की पत्नी कलावती जटिया सोमवार को उज्जैन में अंतिम संस्कार हुआ। इसके पहले उनके निज निवास से उनकी अंतिम यात्रा निकली, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत सहित कई मंत्री-विधायक शामिल हुए। दरअसल, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सत्यनारायण जटिया की पत्नी कलावती जटिया का रविवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया था। वह दिल्ली में ही रहती थीं और पिछले कुछ दिन से बीमार होने पर एम्स में भर्ती थीं, जहां उन्होंने 73 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर रविवार देर रात दिल्ली से उज्जैन उनके निवास ऋषिनगर एक्सटेंशन लाया गया। सोमवार सुबह से ही कई वीवीआईपी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उनके निवास पर पहुंचे। उनके पार्थिव शरीर को ऋषि नगर स्थित निवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पुष्पचक्र अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्ति की। वहीं, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल व लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भी पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया। इस दौरान जटिया के परिवार सहित उनको जानने वाले लोगों का तांता लगा रहा।

अंतिम दर्शन के बाद शहर के गणमान्यजन, समाजजन व भाजपा नेताओं की उपस्थिति में ऋषि नगर विस्तार इंदौर रोड से कलावती जटिया की अंतिम यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई रामघाट पहुंची, जहां उनके पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया गया। जटिया परिवार पर आए इस दुख के समय में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक, सांसद अनिल फिरोजिया और अन्य वरिष्ठजनों ने भी शोक व्यक्त किया।

सम्पादकीय

दामन पर दाग

एक नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में बंगलुरु की एक अदालत ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पाक्सो कानून के तहत गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। हालांकि अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई है, पर इस प्रकरण से उनके दामन पर जो दाग लगा है, वह धुलेगा या नहीं, कहना मुश्किल है। एक किशोरी की मां ने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने अपने आवास पर उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया।

हालांकि येदियुरप्पा के वकील का कहना है कि आरोप लगाने वाली महिला आदतन इसी तरह लोगों का भयादोहन करती रही है। येदियुरप्पा के खिलाफ कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण है। चूंकि मामला पाक्सो कानून के तहत दर्ज किया गया है, इसलिए येदियुरप्पा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बता कर वे इससे बच पाएंगे, कहना मुश्किल है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि राजनेताओं पर कई बार कुछ ऐसे आरोप उनके प्रतिपक्षियों द्वारा भी साजिशन लगा दिए जाते हैं, ताकि वे उलझे रहें और उनका राजनीतिक भविष्य अंधकारमय हो जाए। येदियुरप्पा कर्नाटक के एक प्रभावशाली नेता हैं और उन्होंने वहां भाजपा की जड़ें मजबूत की हैं।

बेल्लारी बंधुओं से निकटता और कुछ ठेकों के आबंटन में पक्षपातपूर्ण निर्णयों की वजह से वे विवादों में जरूर आए थे, पर उनका जनाधार बहुत कमजोर नहीं हुआ। इस वक्त कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है।

इसलिए उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई का तर्क कुछ देर ठहर भी सकता है, मगर आखिर उनके विवेक और आचरण पर तो सवाल रहेंगे ही।

सार्वजनिक जीवन में राजनेता का आचरण बहुत मायने रखता है। कैसे एक किशोरी के साथ उनका व्यवहार ऐसा अमर्यादित रहा, जो यौन उत्पीड़न की श्रेणी में मान लिया गया और अदालत ने भी उसे सही पाया।

इस मामले में कितनी सच्चाई है, यह निष्पक्ष रूप से सामने आनी चाहिए। इसे राजनीतिक प्रभाव में दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो उस किशोरी के साथ अन्याय होगा। फिर इस तरह के यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश लगाना मुश्किल ही रहेगा।

भारत ने पिछले एक साल में 8 नए परमाणु बम बनाये

नई दिल्ली। दुनियाभर में भले ही एटमी हथियारों की संख्या घट रही हो लेकिन ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। पहली बार चीन के कुछ हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं।

चीन का परमाणु शस्त्रागार जनवरी, 2023 में 410 वॉरहेड से बढ़कर जनवरी, 2024 में 500 हो गया है। इसके और बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा नौ परमाणु हथियार संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने-अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण जारी रखे हुए हैं।

यह खुलासा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ है। विश्लेषण में कहा गया है कि चीन का परमाणु शस्त्रागार जनवरी, 2023 में 410 वॉरहेड से बढ़कर जनवरी, 2024 में 500 हो गया है और इनकी संख्या इस दशक के अंत तक 1,000 से ऊपर पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 2,100 वॉरहेड को बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन अलर्ट की स्थिति में रखा गया है, जिसमें लगभग सभी रूस या अमेरिका के हैं। पहली बार चीन के कुछ हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं। सीपरी ने कहा कि नौ परमाणु हथियार संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने-अपने परमाणु शस्त्रागारों का लगातार आधुनिकीकरण कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी, 2024 में लगभग 12,121 हथियारों की कुल वैश्विक सूची में से लगभग 9,585 संभावित उपयोग के लिए सैन्य भंडार में हैं। लगभग 3,904

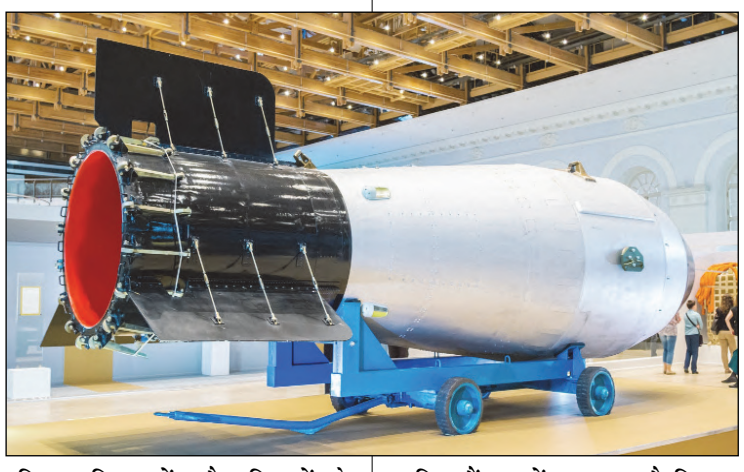

हथियार मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात किए गए हैं। थिंक टैंक के अनुसार भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया सभी बैलिस्टिक मिसाइलों पर एक से अधिक वारहेड्स तैनात करने की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह क्षमता रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन के पास पहले से ही है। रूस और अमेरिका के पास कुल परमाणु हथियारों का लगभग 90 प्रतिशत है। हालांकि रूस ने जनवरी, 2023 की तुलना में परिचालन बलों के साथ लगभग 36 अधिक वॉरहेड तैनात किए हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के मद्देनजर दोनों देशों में परमाणु बलों के बारे में पारदर्शिता में गिरावट आई है। रिपोर्ट में इस साल जनवरी में भारत के संग्रहीत परमाणु हथियारों की संख्या 172 बताई गई है जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या 170 थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से ऐसा प्रतीत होता है कि भारत लंबी दूरी के हथियारों पर अधिक जोर दे रहा है, जिसमें पूरे चीन में लक्ष्यों तक पहुंचने में सक्षम हथियार भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपनी सेनाओं को किस प्रकार संरचित करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने पिछले एक साल में 8 नए परमाणु बम बनाए हैं। पाकिस्तान ने पिछले एक साल में कोई नया परमाणु बम नहीं बनाया है।

दुनियाभर में हथियारों की दौड़ पर निगाह रखने वाली स्वीडन के थिंक टैंक सीपरी निदेशक डैन स्मिथ के मुताबिक दुनियाभर में ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शीत युद्ध के दौर के हथियारों को धीरे-धीरे खत्म किए जाने के कारण वैश्विक परमाणु हथियारों की कुल संख्या में गिरावट जारी है लेकिन अफसोस की बात है कि हम ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में साल-दर-साल बढ़ोतरी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में इसमें शायद और बढ़ोतरी हो और यह अत्यंत चिंताजनक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्माणाधीन परमाणु हथियारों की संख्या भी बढ़ रही है। जनवरी में दुनियाभर में लगभग 12,121 परमाणु हथियारों में से लगभग 9,585 संभावित उपयोग के लिए सैन्य भंडार का हिस्सा थे। इनमें से लगभग 3,904 परमाणु हथियार मिसाइलों और विमानों पर लगाए गए थे, जो पिछले साल इसी माह के दौरान संख्या में 60 ज्यादा थे। रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका के पास 5044, रूस के पास 5580, यूनाइटेड किंगडम के पास 225, फ्रांस के पास 290, चीन के पास 500, भारत के पास 172, पाकिस्तान के पास 170, उत्तर कोरिया के पास 50 और इजराइल के पास 90 परमाणु हथियार हैं। इस दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1,336 और रूस ने 1,200 यानी 2,536 वारहेड नष्ट किये हैं।

कृषि और किसान का कल्याण प्रधानमंत्री, भाजपा व एनडीए सरकार की प्राथमिकता-शिवराज सिंह

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में भाग लेने शहर में आए केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। दरबार में विधिवत दर्शन पूजन के बाद केन्द्रीय कृषि मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी पहली बार काशी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री करीब 20 हजार करोड़ किसानों के खाते में डालेंगे। कृषि और किसान का कल्याण पीएम, भाजपा और एनडीए सरकार की प्राथमिकता रही है। इसलिए सबसे पहला फैसला प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि किसान के खाते में पहुंचाने का फैसला किया।

बनारस आने के पहले कृषि मंत्री ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है। आज प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के तहत 9.26 करोड़ किसानों के खातों में 20 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि हस्तांतरित करेंगे। अब तक पीएम किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं, यह योजना किसानों के जीवन को आसान व कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई है। पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत का रिकॉर्ड कोई तोड़ नहीं सकता-डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के कार्यों के साथ सत्ता और संगठन के समन्वय से लोकसभा के चुनाव में सभी 29 सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। इस चुनाव में हम छिंदवाड़ा लोकसभा भी जीते हैं और हमने 100 प्रतिशत नहीं बल्कि 120 प्रतिशत परिणाम दिया है। आप सभी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव की इस जीत के हकदार हैं। इस चुनाव में भाजपा ने जो रिकॉर्ड बनाया है, वह भविष्य में कोई तोड़ नहीं सकता। भविष्य में कोई दल सभी 29 सीटें जीतता है तो वह हमारे रिकॉर्ड की सिर्फ बराबरी करेगा, तोड़ नहीं पाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संभाग प्रभारी, लोकसभा संयोजक, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा की गई। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं जगदीश देवड़ा, लोकसभा चुनाव अभियान समिति के संयोजक हेमंत खंडेलवाल समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सत्ता-संगठन के समन्वय से बनाएंगे अगले चार साल के विकास का रोडमैप

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता संभालने के कुछ ही समय बाद लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी हो गई, विकास कार्यों को करने के लिए अधिक समय नहीं मिला था। अब आने वाले दिनों में प्रदेश के सभी विधायकों, जिला अध्यक्षों के साथ प्रदेश संगठन के साथ मिलकर आगामी चार वर्ष के विकास का रोडमैप बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को विकास के नए आयाम तक पहुंचाने के लिए सत्ता और संगठन में समन्वय के माध्यम से तकनीक का उपयोग कर प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश के विकास को और गति देने के लिए औद्योगीकरण के लिए सुविचारित प्रयास किया जाएंगे।

सजग प्रहरी की तरह हर बूथ पर तैनात रहे पार्टी कार्यकर्ता : विष्णुदत्त शर्मा

समीक्षा बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों ने देशभर में जो वातावरण बनाने का प्रयास किया, उसका प्रभाव मध्यप्रदेश में कहीं दिखाई नहीं दिया। इसका कारण यह था कि हर बूथ जीतने के संकल्प के साथ पार्टी का

कार्यकर्ता एक सजग प्रहरी की तरह हर बूथ पर तैनात था। विधानसभा चुनाव में हमें आठ प्रतिशत अधिक वोट मिले थे और लोकसभा चुनाव में भी हमारा वोट प्रतिशत करीब 1.5 प्रतिशत बढ़ा है। हमने 75 से 80 प्रतिशत बूथों पर जीत हासिल करके इतिहास बनाया है। कार्यकर्ताओं ने प्रयास किए और पार्टी नेतृत्व ने परिश्रम किया। सभी ने मिलकर अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वाह किया और हम प्रदेश की सभी 29 सीटें जीतने में सफल हुए। हम सभी ने मिलकर जीत का इतिहास बनाया है और आज पूरा मध्यप्रदेश भगवा रंग से आलोकित है।

उन्होंने कहा कि देश में फिर एनडीए की सरकार बनी है और नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर रिकॉर्ड बनाया है। इस चुनाव में झूठ, छल-कपट, परिवारवाद, जातिवाद और विभाजन की राजनीति करने वाली ताकतें परास्त हुई हैं। भाजपा सिर्फ हार की नहीं, बल्कि अपनी जीत की भी समीक्षा करती है।

चुनाव जीतने के लिए मप्र जैसा आदर्श संगठन होना चाहिए : डॉ. महेन्द्र सिंह

मध्यप्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए किस तरह का संगठन होना चाहिए, यह मध्यप्रदेश से दूसरे राज्यों को सीखना चाहिए। मैं कई राज्यों में चुनाव कार्य देखा है, लेकिन मध्यप्रदेश जैसे देवतुल्य कार्यकर्ता मैंने नहीं देखा। मध्यप्रदेश में कार्यकर्ताओं की बहुत अच्छी टीम है, जो दिए गए कार्यों को टीम भावना के साथ बहुत अच्छे से कार्यों को पूरा करते हैं। मध्यप्रदेश में पार्टी का आदर्श संगठन है, जिसकी देशभर में सराहना होती है। अन्य राज्यों को भी मध्यप्रदेश संगठन

से प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। मध्यप्रदेश के देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव में जिस तरह से बूथ विजय संकल्प लेकर कार्य किया, वह निश्चित रूप से अनुकरणीय कार्य है, जिसका परिणाम यह रहा कि हम प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर सके हैं। इसके लिए मैं एक-एक कार्यकर्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

सीमा प्रहरी की तरह डटे रहे बूथ के हजारों कार्यकर्ता : सतीश उपाध्याय

बैठक में लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने कहा कि समीक्षा हमारी कार्यपद्धति का आधार है। भाजपा संगठन 100 में से 100 अंक हासिल करके भी अपने काम की समीक्षा करता है। क्या कमी रह गई और कैसे और अच्छा किया जाए, यही भाव भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाता है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को ऐतिहासिक जीत की बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के परिश्रम से शानदार सफलता मिली है और हम सभी 29 सीटें जीतने में सफल रहे। हमारे कार्यकर्ता प्रदेश के सभी 64523 बूथों पर सीमा प्रहरी की तरह डटे रहे और यही वजह रही उत्तरप्रदेश से सटे बुंदेलखंड अंचल में भी हम 100 प्रतिशत परिणाम हासिल करने में सफल रहे। इंडी गठबंधन के लोग जो भ्रम फैला रहे थे, हमारे कार्यकर्ताओं ने उसे मध्यप्रदेश में आने नहीं दिया। हम आज सफलता के शीर्ष पर हैं और शीर्ष पर बने रहना बड़ी चुनौती है। लेकिन मध्यप्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता इतने सक्षम हैं कि वो पार्टी को आने वाले समय में भी सफलता के शीर्ष पर बनाए रखेंगे और आने वाले उपचुनाव में भी शानदार जीत हासिल करेंगे।

पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम, पूर्वजों के त्याग से मिल रही जीत : हितानंद

पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि जीत के रास्ते पर हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में हमने 27 सीटें जीती थीं, 2019 के चुनाव में 28 जीतीं और 2024 के चुनाव में हमने सभी 29 सीटों पर जीत हासिल की है। पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम तथा पूर्वजों के त्याग से हम हर चुनाव में आगे बढ़ रहे हैं। 1984 के लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में हमें 30 प्रतिशत वोट मिले थे, वहीं, हालिया चुनाव में हमारा वोट शेयर 60 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने 18 जून को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस, 21 जून को विश्व योग दिवस, 23 जून को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस, 24 जून को रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस, 25 जून को आपातकाल की बरसी, 26 जून से 6 जुलाई तक चलने वाले 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान तथा 30 जून को होने वाले प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम सहित आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

हिंदू नाम बताकर वसीम की चाल, लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर रेप

इंदौर। एक बहुत ही हैरान करने वाला मामला समाने आया है। आरोप है कि वसीम ने अपना नाम बदलकर एक लड़की को अपने प्रेम जाल में फंसाया। चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर पीड़ित लड़की का रेप किया। रेप करने के दौरान प्राइवेट पलों का वीडियो और आपत्तिजनकर फोटो भी खींच लिए थे।

इसके बाद भी जब वसीम का मन नहीं भरा तो आरोपी ने पीड़ित लड़की को ब्लैकमेल कर धर्मांतरण का दबाव भी बनाया। यह पूरा हैरान करने वाला मामला इंदौर में सामने आया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राऊ पुलिस के अनुसार, अरोपी वसीम ने हिंदू नाम एक महिला को अपने प्रेम जाल में फंसाया थ। महिला से दोस्ती करने के लिए उसने अपना नाम भी बदल डाला। आरोपी ने लड़की को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर उसका रेप किया। इस दौरान आरोपी ने प्राइवेट पलों के वीडियो भी बना डाले।

लड़की को वीडियो को सोशल

मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर आरोपी युवक ने पीड़ित लड़की के साथ कई बार रेप किया। आरोप है कि पीड़ित लड़की ने जब इस मामले के खिलाफ आवाज उठानी चाही तो आरोपी ने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए लड़की पर धर्मांतकरण का भी दबाव बनाया था।

दोस्त के घर ले जाकर चाय पिलाकर हैवानियत

पीड़ित लड़की का आरोप है कि वसीम उसे कुछ काम के बहाने अपने दोस्त के घर ले गया था। वहां पर उसने पीड़िता को चाय में नशीला पदार्थ पिलाया। चाय पीने के बाद पीड़ित लड़की बेहोश हो गई थी। आरोप है कि वसीम ने बेहोशी की हालत में उसका रेप किया। रेप करने के दौरान आरोपी युवक ने प्राइवेट पलों का वीडियो भी बना डाले। पीड़ित लड़की का आरोप है कि युवक ने उसके आपत्तिजनक फोटोज भी खींचे थे।

प्राइवेट वीडियो-फोटो वायरल की धमकी से ब्लैकमेल

पीड़ित लड़की का आरोप है कि युवक ने उसके आपत्तिजनक वीडियो और फोटोज भी खींच लिए थे। विरोध करने पर आरोपी युवक ने उसको ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था। इससे भी जब युवक का मन नहीं भरा तो आरोपी ने पीड़ित लड़की पर धर्मांतकरण का भी दबाव बनाया।

शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने रामघाट पर मां शिप्रा को अर्पण की चुनरी

उज्जैन। वर्षाकाल में हरियाली अमावस्या तक प्रदेश में कुल साढ़े पांच करोड़ पौधे रोपित किये जाएंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम गंगा दशमी पर दो दिवसीय शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के समापन अवसर पर रामघाट पर आयोजित समारोह में कही। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, यात्रा संयोजक महन्त रामेश्वरदास महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, रमेश मेंदोला, महापौर मुकेश टटवाल, इन्दौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सभापति कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर, बहादुर सिंह बोरमुंडला, विवेक जोशी, मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के अध्यक्ष नरेश शर्मा, संभागायुक्त संजय गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ श्रीराम तिवारी सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जल संरचनाओं के संरक्षण का संकल्प साकार हो रहा है। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश की नदियां एवं जलाशय और अन्य जल स्त्रोत संरक्षित होकर प्रदूषणमुक्त रहें। प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान में पांच जून से 28 करोड़ लागत से शहरी क्षेत्र में 2700 से अधिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 26 करोड़ रुपये लागत से 2300 से अधिक संरचनाओं का निर्माण एवं जीर्णोद्धार हुआ है। उज्जैन के शहरी क्षेत्र की जल संरचना का भी सुधार कार्य हुआ है, जिसके बाद वह सुन्दर नजर आयेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 212 नदियों का संरक्षण करने का संकल्प लिया गया है, जिसमें उद्गम से लेकर अन्तिम छोर तक संरक्षण का कार्य किया जायेगा। आने वाले समय में जल संरचनाओं के निकट पौधरोपण किया जायेगा। ग्वालियर के लोगों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां के नागरिकों ने जन-सहभागिता कर जल संरचना का उद्धार किया है। अब इस संरचना में पांच करोड़ लीटर जल संग्रहण होने की संभावना है। इसी तरह सागर के ताल के सम्बन्ध में भी उन्होंने अवगत कराया।

सिंहस्थ के लिये 20 हजार करोड़ लागत से खंडवा, उज्जैन सहित अन्य नगरों में कार्य होंगे

वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन का सिंहस्थ विश्व में अपना स्थान रखता है। सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ रुपये लागत से खंडवा, उज्जैन सहित अन्य नगरों में कार्य कराए जाएंगे। देवालयों से हमें आशीर्वाद और जीवन में संस्कार मिलते हैं। संकल्पों की सिद्धि भी देवालयों से प्राप्त होती है और आनन्द की अनुभूति भी होती है। देवालयों के संरक्षण और मरम्मत के कार्य लगातार जारी रहेंगे।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इन्दौर की महारानी माता अहिल्या ने पूरे देश में देवालयों का निर्माण कराया। एक महिला शासिका होकर उन्होंने मन्दिर बनवाये। इसी तरह उन्होंने गोंडवाना राज्य की रानी दुर्गावती की वीरता के किस्से भी सुनाये। इस मौके पर उन्होंने बताया कि प्रदेश में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा की शुरूआत हुई है। इसी तरह आयुष्मान कार्डधारी व्यक्ति जिसकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है, को भी हवाई एम्बुलेंस की सेवा निःशुल्क देने की योजना से मुख्यमंत्री ने अवगत कराया। हवाई एम्बुलेंस की सेवा सभी के लिये रहेगी। आयुष्मान कार्डधारी के अलावा अन्य इस सेवा का उपयोग शुल्क का भुगतान कर कर सकते हैं।

इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ यादव ने गंगा दशहरा पर्व को भव्य, पावन और अलौकिक रूप प्रदान किया हैं। रामघाट पर चारों ओर एक नई आभा नजर आ रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरचनाओं के संरक्षण का अद्भुत कार्य किया गया। हमारे पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहर सहजने और संवारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर सभी से आव्हान किया कि अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं। इस प्रकार पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगेंगे। इंदौर ने भी वृहद स्तर पर 51 लाख से अधिक पौधरोपण करने के लक्ष्य निर्धारित किया हैं। उज्जैन भी व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर अपने क्षेत्र को हरियाली से आच्छादित करने की योजना बनाएं, ताकि आने वाले सिंहस्थ में श्रद्धालु लगाये गये पेड़ों की छाया में बैठ सकेंगे। उन्होंने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कार्य करने के लिये साधुवाद दिया।

तीन पुस्तकों एवं ऑडियो-वीडियो सीडी का विमोचन

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा मध्य प्रदेश में पहली बार सैटेलाइट मैपिंग के साथ उज्जैन की नदियों के वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित ग्रंथ 'शिप्रा अमरता का आह्वान' लेखक निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ श्रीराम तिवारी, शिप्रा अमृतसम्भवा, सदानीरा (जल का उत्सव) पुस्तकों एवं हैदराबाद के भरत चौधरी की सदानीरा-अंबुनी ऑडियो- वीडियो सीडी का विमोचन किया गया। वैभवशाली उज्जैन के महाकाल की गौरव गाथा पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां शिप्रा को चुनरी ओढ़ाई

मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा पर्व पर सपत्नीक मां शिप्रा की विधि विधान से पूजन-अर्चन कर आरती की और मां शिप्रा के रामघाट पर दोनों तटों से 350-350 फीट की 2 चुनरी ओढ़ाई। इस दौरान मंत्री विजयवर्गीय सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। इस अवसर पर मां शिप्रा के जयकारों से पावन रामघाट गुंजायमान हो रहा था। पूजा-अर्चना पं.गौरव उपाध्याय द्वारा कराई गई। पंडित गौरव उपाध्याय और उनके दल द्वारामुख्यमंत्री डॉ यादव को रामचरित मानस एवं बाबा महाकाल का चित्र भेंट किया गया।

जल संरक्षण और मानव सेवा की दिशा में अनुकरणीय कार्य करने वाले सम्मानित

मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर नारदीय कीर्तन एवं श्री हरिकथा के माध्यम से श्रीनाथ परम्परा के प्रचार-प्रसार के अद्वितीय प्रयासों के लिए संत बालकृष्ण वासुदेव नाथ ढोली बुवा महाराज का सम्मान किया गया। इसी तरह ग्राम निनौरा की सीताबाई, जिन्होंने जल को संरक्षित करने के उद्देश्य से अपनी स्वयं की पांच बीघा भूमि बेचकर ग्राम निनोरा में शिप्रा नदी किनारे घाट निर्माण कार्य किया, जिन्हें आज मंच से सम्मानित किया गया। इसी तरह शिप्रा मैया एवं मानव सेवा करने के लिए श्री दीपक कहार को भी सम्मानित किया गया।

गायिका ऋचा शर्मा के भजनों को सुन झूमे श्रोता

गंगा दशहरा पर्व पर मां शिप्रा के पावन रामघाट पर आयोजित मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के समापन कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका ऋचा शर्मा ने एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दीं। मेरे भोले बाबा भंडारी भजन को सुन श्रोता झूम उठें। भजन संध्या में मुख्यमंत्री डॉ यादव एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गायिका ऋचा शर्मा को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। भजन संध्या में मथुरा के भजन गायक युवा ध्रुव शर्मा और स्वर्णश्री सहित अन्य कलाकारों द्वारा भी सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

जल संरक्षण के लिये संकल्प दिलाया

समारोह में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को मुख्यमंत्री ने जीवन में जल के महत्व को लेकर जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने के लिये संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री ने सभी को संकल्प दिलाते हुए कहा कि सभी जन अपने परिवार के साथ जल स्त्रोतों को जिन्दा रखने और जल संरक्षण के लिये मकानों में हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने देश के विकास के लिये जल स्त्रोतों के विकास एवं संरक्षण का संकल्प दिलाया। साथ ही जल संरक्षण के अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी देने का आमजन से आव्हान भी किया। साथ ही उन्होंने सभी से कहा कि वे स्वयं एवं समाज को जल संरक्षण के लिये प्रेरित भी करें।

भीषण गर्मी विदा हो रही, तपती धरती ने हमें आने वाले कल की झलक दिखला दी

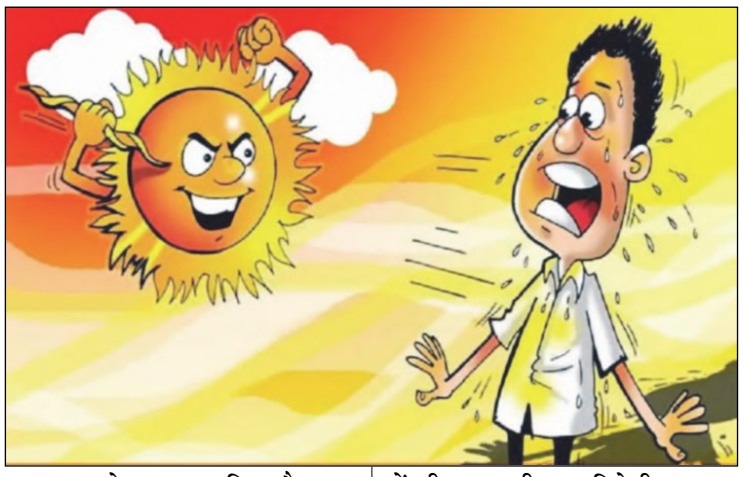

रिकार्ड तोड़ भीषण गर्मी विदा हो रही है। इस साल तपती धरती ने हमें आने वाले कल की झलक दिखला दी है। सभी पैरामीटर्स ध्वस्त से हो गए थे। हम फिर भी नहीं चेते तो त्रासदी का अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। गर्मी के साथ तीन चौथाई हिस्से में पानी का संकट खड़ा हुआ है। जितना पानी उपयोग के लिए चाहिए उससे दस गुना हम बर्बाद कर रहे हैं। प्रकृति ने पानी की प्रचूर उपलब्धता सुनिश्चित की है, वर्षा और भूजल के माध्यम से। मानसून तटों से लेकर शहरों तक दस्तक दे चुका है। लेकिन क्या हम इस वर्षा जल को सहेजने के लिए तैयार हैं?

सरकारें हर साल अभियान चलाकर जल संग्रहण के प्रयास करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कैच द रेन जैसे अभियान शुरू कर वर्षा जल को सहेजने का आह्वान किया। इसके बावजूद भारत में वर्षा जल संग्रहित नहीं हो रहा है। सब कुछ सरकार पर छोड़ने की दुर्भाग्यजनक मानसिकता ने भारत के परम्परागत लोकजीवन को पूरी तरह विस्थापित कर दिया है। न केवल जल संचय बल्कि इसकी बर्बादी के भी सभी रिकॉर्ड हम भारतीय तोड़ने में अग्रणी हैं।

सवाल यह कि जब हम वर्षा जल संग्रहण में सदियों से पारंगत रहे हैं तब हमें सरकारी तंत्र की आवश्यकता क्यों पड़ने लगी है? असल में उपभोक्तावाद और प्रकृति के साथ अलगाव की जीवनशैली ने हमारा तानाबाना ही बिगाड़ कर रख दिया है। यही कारण है कि प्रकृति के साथ जिस समाज का रिश्ता पिता-पुत्र सा था, आज वही समाज प्रकृति के रौद्र रूप को झेल रहा है। आज आवश्यकता है जल, जमीन और जंगल के साथ हमारे सनातन प्रावधित रिश्तों को जीवित करने की। इस वर्षा ऋतु के साथ ही हम इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत के शहरी क्षेत्रों में 970 लाख लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है।हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेयजल की हालत अधिक अच्छी नहीं है। वहां भी लगभग 70 फीसद लोग प्रदूषित पानी पीने और 33 करोड़ लोग सूखे वाली जगहों में रहने को मजबूर हैं। भारत में कुल मिलाकर लगभग 70 फीसदी जल प्रदूषित है। देश में पहले से ही सीमित मात्रा में जल उपलब्ध है, बावजूद इसके जल की बर्बादी निरंतर जारी है। यह प्रवृत्ति खतरनाक है। जिस रफ्तार से पानी की बर्बादी हो रही है, उसके चलते हमारा आने वाला कल बेहद भयावह हो सकता है। भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। नदियां सूख रही हैं। दलदली भूमि यानी वेटलैंड भी खतरे में हैं। एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या वाला हमारा देश जल संरक्षण को लेकर गंभीर भी नहीं है, देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले अकेले मुंबई में ही वाहनों को धोने में हर रोज लगभग पचास लाख लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई आदि महानगरों में पाइप लाइनों में रिसाव के चलते प्रतिदिन 17 से 44 फीसद पानी बेकार बह जाता है।

नीति आयोग की हालिया भूजल पर जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की चेतावनी दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 21 बड़े शहरों में भूजल खत्म होने के कगार पर है इससे करीब 15 करोड़ आबादी सीधे पानी के लिए तरसने पर विवश होगी। नीति आयोग के इस अध्ययन से पता चलता है कि भारत किस तरह जल संकट से घिरता जा रहा है। वर्षा और भूजल प्रबंधन में नाकामी ने भारत में भविष्य के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज धरती के 17 प्रतिशत लोग भारत में निवास करते हैं।

15 प्रतिशत जानवर हैं लेकिन मानक अनुसार साफ पानी के संसाधन केवल 04 प्रतिशत ही शेष है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 03 मीटर तक भूजल कम हो रहा है। यानी पाताल का पानी भी हर साल घटता जा रहा है। इसका सबसे अहम कारण है खेती के पारंपरिक तरीकों को छोड़कर कथित आधुनिक खेती जो 80 फीसदी जमीन के अंदर उपलब्ध पानी पर ट्यूबवेलों पर निर्भर है।

भारत में हर साल 3880 बिलियन क्यूबिक मीटर (एक बिलियन यानी एक अरब) जल वर्षा में आता है। इसमें से केवल 699 बिलियन क्यूबिक मीटर जल ही हम शुद्ध रूप में उपयोग कर पाते हैं।असल में ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमने विकास के नाम पर पुरानी जल संग्रहण व्यवस्था को नष्ट कर दिया है। 70 साल पहले गांवों और शहरों में अनगिनत तालाब और ऐसे ही अन्य जल संग्रहण इकाइयां थी आज बढ़ती आबादी के दबाब ने इन सभी को नष्ट कर दिया है। आधुनिक जल संग्रहण के प्रयास नेताओं और अफसरों के हवाले छोड़ दिये गए है इसमें जनभागीदारी नहीं के बराबर है। नतीजतन वर्षा जल संग्रहण में हम नाकाम हो चुके हैं।

1947 तक हर भारतीय के लिए करीब 60 लाख लीटर पानी सहजता से उपलब्ध था। 2011 में यह घटकर 15 लाख लीटर रह गया। 2031 में यह 13.50 लाख लीटर रह जायेगा। अनुमान है कि 2051 में यह घटकर करीब 11 लाख लीटर ही रह जायेगा। विशेषज्ञों के अनुसार जब प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 17 लाख लीटर से कम हो जाती है तो यह गंभीर जल संकट की श्रेणी में माना जाता है। स्पष्ट है कि हम भविष्य में विकराल जल संकट की ओर बढ़ चुके हैं। केंद्रीय जल आयोग का अध्ययन बताता है कि हर भारतीय औसतन 45 लीटर पानी हर दिन बर्बाद कर रहे हैं। यह बर्बादी घर, बाथरूम और अन्य माध्यमों से हो रही है। पहले हमारे घरों में जरूरत के अनुरूप पानी संग्रहित होता था क्योंकि स्रोत कुँए बाबड़ी थे और स्नान,शौच में भी आज की तरह विदेशी व्यवस्था नही थीं। घरों में लगे आरओ एक लीटर पानी को शुद्ध करने के लिए चार लीटर पानी बर्बाद करता है। बोतलबंद पानी बनाने वाली कम्पनियां हर घण्टे 15 हजार लीटर पानी जमीन से निकाल रही हैं। एनजीटी के अनुसार देश में हर दिन सम्मिलित रूप से 49 अरब लीटर पानी बर्बाद किया जा रहा है। नीति आयोग के अध्ययन से पता चलता है कि आने वाले दो तीन दशकों में भारत की 60 प्रतिशत जनसंख्या के सामने पेयजल का गंभीर संकट आने वाला है। भोपाल, इंदौर, रतलाम, दिल्ली, नोयडा, गुरुग्राम, आगरा, पटियाला, अमृतसर, बीकानेर, गाजियाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, अजमेर, मोहाली, चंडीगढ़ जैसे शहरों में तो 2030 तक ही भयावह हालात निर्मित होने वाले हैं।

भारत में उपलब्ध जल की उतनी कमी नहीं है। हमारे देश की मुख्य नदियों के अलावा हमें औसतन सालाना 11.70 करोड़ घनमीटर बारिश का पानी मिल जाता है। इसके अलावा, नवीकरणीय जल संरक्षण से भी 1608 अरब घनमीटर पानी हर साल मिल जाता है। दुनिया का नौवां सबसे बड़ा 'ताजा जल संग्रह' हमारे पास है।

आहार के नियम भारतीय 12 महीनों के अनुसार

चैत्र (मार्च-अप्रैल)-इस महीने में गुड का सेवन करे क्योकि गुड आपके रक्त संचार और रक्त को शुद्ध करता है एवं कई बीमारियों से भी बचाता है। चैत्र के महीने में नित्य नीम की 4-5 कोमल पतियों का उपयोग भी करना चाहिए इससे आप इस महीने के सभी दोषों से बच सकते है। नीम की पतियों को चबाने से शरीर में स्थित दोष शरीर से हटते है।

वैशाख (अप्रैल-मई)-वैशाख महीने में गर्मी की शुरुआत हो जाती है। बेल पत्र का इस्तेमाल इस महीने में अवश्य करना चाहिए जो आपको स्वस्थ रखेगा। वैशाख के महीने में तेल का उपयोग बिल्कुल न करे क्योकि इससे आपका शरीर अस्वस्थ हो सकता है।

ज्येष्ठ (मई-जून)-भारत में इस महीने में सबसे अधिक गर्मी होती है। ज्येष्ठ के महीने में दोपहर में सोना स्वास्थ्य वर्द्धक होता है , ठंडी छाछ, लस्सी, ज्यूस और अधिक से अधिक पानी का सेवन करें। बासी खाना, गरिष्ठ भोजन एवं गर्म चीजो का सेवन न करे। इनके प्रयोग से आपका शरीर रोग ग्रस्त हो सकता है।

अषाड़ (जून-जुलाई)-अषाड़ के महीने में आम, पुराने गेंहू, सत्त, जौ, भात, खीर, ठन्डे पदार्थ, ककड़ी, पलवल, करेला, बथुआ आदि का उपयोग करे व अषाड़ के महीने में भी गर्म प्रकृति की चीजों का प्रयोग करना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

श्रावण (जूलाई-अगस्त)-श्रावण के महीने में हरड का इस्तेमाल करना चाहिए। श्रावण में हरी सब्जियों का त्याग करे एव दूध का इस्तेमाल भी कम करे। भोजन की मात्रा भी कम ले पुराने चावल, पुराने गेंहू, खिचड़ी, दही एवं हलके सुपाच्य भोजन को अपनाएं।

भाद्रपद (अगस्त-सितम्बर)-इस महीने में हलके सुपाच्य भोजन का इस्तेमाल कर वर्षा का मौसम् होने के कारण आपकी जठराग्नि भी मंद होती है इसलिए भोजन सुपाच्य ग्रहण करे। इस महीने में चिता औषधि का सेवन करना चाहिए।

आश्विन (सितम्बर-अक्टूबर)-इस महीने में दूध, घी, गुड़, नारियल, मुन्नका, गोभी आदि का सेवन कर सकते है। ये गरिष्ठ भोजन है लेकिन फिर भी इस महीने में पच जाते है क्योकि इस महीने में हमारी जठराग्नि तेज होती है।

कार्तिक (अक्टूबर-नवम्बर)-कार्तिक महीने में गरम दूध, गुड़, घी, शक्कर, मुली आदि का उपयोग करे। ठंडे पेय पदार्थो का प्रयोग छोड़ दे।

छाछ, लस्सी, ठंडा दही, ठंडा फ्रूट ज्यूस आदि का सेवन न कर, इनसे आपके स्वास्थ्य को हानि हो सकती है।

अगहन (नवम्बर-दिसम्बर)-इस महीने में ठंडी और अधिक गरम वस्तुओ का प्रयोग न करे।

पौष (दिसम्बर-जनवरी)-इस ऋतु में दूध, खोया एवं खोये से बने पदार्थ, गौंद के लाडू, गुड़, तिल, घी, आलू, आंवला आदि का प्रयोग करे, ये पदार्थ आपके शरीर को स्वास्थ्य देंगे। ठन्डे पदार्थ, पुराना अन्न, मोठ, कटु और रुक्ष भोजन का उपयोग न करे।

माघ (जनवरी-फरवरी)-इस महीने में भी आप गरम और गरिष्ठ भोजन का इस्तेमाल कर सकते है। घी, नए अन्न, गौंद के लड्डू आदि का प्रयोग कर सकते है।

फाल्गुन (फरवरी-मार्च)-इस महीने में गुड का उपयोग करे। सुबह के समय योग एवं स्नान का नियम बना ले। चने का उपयोग न करे।

संघ-भाजपा के संबंधों में पहले वाली गर्मजोशी होनी चाहिए

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत मृदु स्वभाव वाले और मितभाषी हैं। वे किसी खास मुद्दे या अवसर पर ही अपनी बेबाक राय रखते हैं। लेकिन, जब भी वे कुछ कहते हैं तो उसे गौर से सारा देश सुनता और समझने की कोशिश करता है। उनके वक्तव्यों की पूरे देश में विभिन्न कोणों से व्याख्या होने लगती है।

हाल ही में आए लोकसभा चुनाव के बाद डॉ. मोहन भागवत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर सांकेतिक और परोक्ष रूप से अहंकारी होने के आरोप लगाकर राजनीतिक क्षेत्रों में, खासकर भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भूचाल सा ला दिया है।

मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के नागपुर में संघ के कार्यक्रम में कहा

कि एक सच्चा सेवक काम करते समय मर्यादा बनाए रखता है। उसमें कोई अहंकार नहीं होता कि मैंने यह किया। केवल ऐसा व्यक्ति ही सेवक कहलाने का अधिकारी है। आखिर वे अहंकार पर चर्चा करके क्या कहना चाहते हैं? एक आमराय यह भी है कि डॉ. भागवत की दृष्टि में भाजपा के कुछ नेता सत्ता पर काबिज होने के बाद विनम्र नहीं रहे। वे अहंकारी हो गए। वे आम जनता के सरोकारों से दूर हो गए। उन्होंने जनसेवा के कामों से अपने को दूर कर लिया। इसी कारण के चलते ही जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं दी ।

भाजपा के एक प्रमुख सहयोगी संगठन के शिखर पदाधिकारी बता रहे थे कि वे कुछ माह पहले किसी जरूरी काम के सिलसिले में एक बार अति प्रमुख स्थान रखने वाले एक केन्द्रीय मंत्री से मिले। मंत्री जी उन महोदय के काम से और संघ निष्ठा से अच्छी तरह वाकिफ थे। वे उम्र और तजुर्बे में मंत्री जी से बड़े हैं। मंत्री जी को पता था कि उन्होंने संघ के कार्यकर्ता के रूप में अपना सारा जीवन खपा दिया है। इतना सब कुछ होने पर भी जब उन्होंने कहा कि संघ ने मुझे यह दायित्व दिया है और आपका सहयोग चाहिए। तब मंत्री जी ने कहा, यह दायित्व आपने मुझसे पूछकर लिया था क्या? उन केन्द्रीय मंत्री जी ने उन संघ निष्ठ वरिष्ठ कार्यकर्ता सज्जन को खड़े-खड़े ही चलता कर दिया। मंत्री जी भूल गए कि भाजपा को मजबूती संघ और उसके सहयोगी संगठनों से ही मिलती है। इसमें कोई शक नहीं है कि भाजपा के उन नेताओं को अपनी सोच में बदलाव तो लाना होगा जो संघ के महत्व और विचारधारा से परिचित नहीं है। संघ के बिना भाजपा का कोई वजूद ही नहीं है।

कुछ ऐसे लोग भी संघ के नाम पर भाजपा के शीर्ष पर पहुंच गए, जिनका स्वयं का संघ कार्य का न तो कोई अनुभव है न ही कभी वे संघ में किसी दायित्व के पदों पर रहे हैं। हां, यह अवश्य है कि वे संघ परिवार से आते हैं और उनके पिता या बड़े भाई संघ-निष्ठ कार्यकर्ता या पदाधिकारी रहे हैं।

अपने भाषणों में मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तो हमेशा तारीफ करते रहे हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय, मोहन भागवत ने कहा था-इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारने से पहले प्रधानमंत्री जी ने कठोर व्रत रखा। जितना कठोर व्रत रखने को कहा था उससे कई गुना अधिक कठोर व्रताचरण उन्होंने किया। मेरा उनसे पुराना परिचय है और मैं जानता हूं, वो तपस्वी हैं ही। संघ भाजपा का अभिभावक संगठन है तो यह स्वाभाविक है कि उसका भाजपा पर असर तो रहेगा ही, साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी संघ के सक्रिय जीवनदानी पूर्णकालिक प्रचारक भी रहे हैं। अत- मोदी जी, राजनाथ सिंह आदि की बात अलग है । वे संघ को समझते हैं । कुछ समय से दबी-जुबान से यह भी चर्चा होती रही है कि क्या भाजपा हमेशा संघ के प्रभाव में ही काम करती है? अगर नहीं तो संघ का भाजपा पर नियंत्रण किस हद तक है। सही बात तो यह है कि संघ के पचासों आनुषांगिक संगठन अपना-अपना कार्य स्वतंत्र रूप से करते हैं पर संघ का परोक्ष नियंत्रण और मार्गदर्शन तो रहता ही है जिसे सभी मानते भी हैं।

क्या नड्डा को संघ और भाजपा के संबंधों पर यह सब कहना चाहिए था या नहीं, पर कहीं न कहीं संकेत तो ऐसे ही मिल रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान ही संघ और भाजपा के कुछ नेताओं के बीच कुछ वैचारिक मतभेद उत्पन्न होने लगे थे। हालांकि मैं इस संबंध में कुछ भी पुख्ता रूप से नहीं कह सकता कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव में हार के बाद संघ की ओर से ही उम्मीदवारों के चयन के लिए दिए गए सुझावों पर ध्यान नहीं दिया। संघ और भाजपा लंबे समय से सभी चुनावों में मिलकर काम करते रहे हैं।

हां, यह सच है कि भाजपा में अन्य दलों से बहुत सारे नेता शामिल होते रहे हैं। मुमकिन है कि संघ की सोच को लेकर उनकी कोई बहुत निष्ठा न भी हो। पर यह कोई नहीं मान सकता कि भाजपा को अब संघ के साथ और सहयोग की जरूरत नहीं रही है। भाजपा को संघ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का अनुसरण करना ही होगा।

पंडित दीनदयाल जी और अटल जी अहंकार से कोसों दूर थे। वे सज्जनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ही मुझे 1966 में भारतीय जनसंघ में लाए और उनके जीवन के अंतिम क्षणों तक मैं उनका प्रवास सहयोगी रहा।

वे एक गम्भीर दार्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ-साथ समर्पित संगठनकर्ता और नेता थे, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किए। जब मैंने उनके साथ बिहार में 1960 के दशक में काम किया तब मैं किशोर ही था। उनकी शख्सियत में दंभ का नामो-निशान तक नहीं था। एक बार हम प्रवास में झारखंड के एक सुदूर कस्बे में एक ही कमरे में ठहरे थे और मैंने उनकी धोती साफकर बाहर फैला दी थी । मुझे उनकी डांट पड़ी थी । उन्होंने कहा था कि ÷यह काम÷ मैं स्वयं करता हूं, तुमने बिना पूछे क्यों किया । भाजपा के नेताओं को सदैव इन महान संस्थापकों के विचारों और जीवनशैली का अनुसरण करना होगा।

याद रख लें कि किसी ठोस विचारधारा के बिना किसी राजनीतिक दल का कोई मतलब नहीं है। संघ की मार्फत ही भाजपा राष्ट्रीय शब्द को गहराई से समझती है। मोहन भागवत ने एक बार कहा भी था कि राष्ट्रवाद शब्द समाज के लिए ठीक नहीं है। यह शब्द सीमित करता है। वहीं राष्ट्रीयता शब्द विस्तार देता है।

वाद शब्द हमेशा स्वार्थ के लिए होता है। स्वार्थ की पूर्ति होते ही मोहभंग हो सकता है, जबकि राष्ट्रीयता से आत्मिक जुड़ाव होता है।

मोहन भागवत साफ बोलते हैं। मणिपुर की अशांति पर भी मोहन भागवत ने अपनी राय रखी है। मणिपुर एक साल से शांति की तलाश में है। इस पर प्राथमिकता से चर्चा होनी चाहिए। राज्य पिछले 10 वर्षों से शांत था। ऐसा लग रहा था कि पुरानी बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है।

वहां जो अचानक तनाव पैदा हुआ या करवाया गया, उसकी आग में वह अभी भी जल रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? इसे प्राथमिकता देना और इस पर ध्यान देना हमारा कर्तव्य है,- यह बेबाक टिप्पणी डॉ. मोहन भागवत की है।

निस्संदेह पिछले लगभग एक साल से मणिपुर जल रहा है। वहां पर हिंसा और कत्लेआम जारी है। स्थिति काबू में आ ही नहीं रही है। जब लगता है कि अब मणिपुर में अमन की बहाली होने वाली है, तब ही उधर से कोई बुरी खबर सामने आ जाती है। मणिपुर की स्थिति ने सारे देश को परेशान किया हुआ है। जाहिर है कि मोहन भागवत की मणिपुर पर राय से सारा देश अपने को जोड़ता है। अब देश की चाहत है कि मणिपुर में अमन की बहाली हो जाए और संघ-भाजपा के संबंधों में पहले वाली गर्मजोशी दिखाई दे। यह होगा तभी जाकर भाजपा कार्यकर्ताओं और राष्ट्रवादी सोच के नागरिकों का मनोबल बढ़ेगा।

सीवरेज लाईन की सफाई कार्य में सराहनीय योगदान देने हेतु नगर पालिक निगम भोपाल से आए कार्यपालन यंत्री, इंजीनियर और सफाई मित्रों का सम्मान किया

उज्जैन। राज्य शासन द्वारा जारी निर्देश के क्रम में शहर की सीवरेज व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं सफाई हेतु भोपाल नगर निगम कार्यपालन यंत्री के नेतृत्व में आए दल द्वारा रामघाट क्षैत्र में 1600 एमएम की सीवरेज लाईन के साथ ही अन्य सीवरेज लाईनों की सफाई की गई।

शहर के सीवरेज लाईन की सफाई कार्य में सराहनीय योगदान देने हेतु नगर पालिक निगम भोपाल से आए कार्यपालन यंत्री, इंजीनियर और सफाई मित्रों का सम्मान और सत्कार कार्यक्रम महापौर कार्यालय पर किया गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा कार्यपालन यंत्री नगर निगम भोपाल श्री राजेंद्र कुमार त्रिवेदी और उनके सहयोगी दल को बाबा महाकाल का चित्र, दुपट्टा एवं प्रसाद भेंट करते हुए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दल द्वारा किए गए कार्यों को लेकर अपने अनुभव एवं विचार साझा किए गए कि किस प्रकार उनके द्वारा फील्ड में कार्य संपादित किया गया। दल के द्वारा बताया गया कि सुबह 08.00 बजे से फील्ड में निकलते हुए छोटे-छोटे चेम्बर में सफाई मित्रों को सुरक्षा उपकरण एवं कीट पहनाकर सफाई के लिए उतारा गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा दल से चर्चा के दौरान बताया गया कि जिस प्रकार आप सभी के द्वारा अत्याधुनिक संसाधनों से चेम्बर की सफाई का कार्य किया जाता है ठीक वैसे ही उज्जैन नगर पालिक निगम के सफाई मित्रों द्वारा जहां बड़ी-बड़ी अत्याधुनिक मशीन एवं संसाधन नहीं पहुंच पाते हैं वहां चेम्बर एवं नालों में उतरकर सफाई कार्य को संपादित करने का कार्य किया जाता है

सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, श्री कैलाश प्रजापत, डॉ योगेश्वरी राठौर, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री एन.के. भास्कर उपस्थित रहे।

सिंहस्थ क्षेत्र में कृषकों की अधिग्रहित भूमि से 25 प्रतिशत भूमि छोड़ी जाएं

उज्जैन। उज्जैन में प्रत्येक 12 वर्षों में सिंहस्थ महापर्व आता हैं, उस समय सिंहस्थ के लिए कृषकों की भूमि अधिग्रहित की जाती हैं जिसमें कृषकों को अपने गोवंश, कृषि सामग्री, अनाज, खेती के उपकरण, वाहन और अन्य सामग्री रखने के लिए भी भूमि नहीं छोड़ी जाती हैं जिससे कृषकों को असुविधा का सामना करना पड़ता हैं।

जब मेला समाप्त हो जाता है तब किसानों को पुनः अपनी भूमि को ठीक करने व खेती योग्य बनाने में कई गुना खर्चा करना पड़ता हैं। इस हेतु 7 सूत्रिय मांगों का एक पत्र निमित यादव के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को महाकाल सेना के राष्ट्रीय प्रमुख महेश पुजारी ने भेजा है। पुजारी ने मुख्यमंत्री को लोकसभा में प्रचंड जीत पर साधुवाद देते हुए आशापूर्ण निवेदन किया है कि कृषकों की इन मांगों पर आप सहानुभूति पूर्ण निर्णय लेंगे। क्योंकि अयोध्या में अनावश्यक तोड फोड़ पर भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। अयोध्यावासीयों के इसी दुख दर्द को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी द्वारा यह निर्णय लिया की अयोध्या में अनावश्यक तोड़ फोड़ व प्राचीन मंदिर को नहीं हटाये जाएंगे एवं नए पुल के निर्माण को रोक दिया गया है। मध्यप्रदेश की प्रचंड जीत के बाद आप से महाकाल सेना मांग करती है कि सिंहस्थ पर्व के नाम पर उज्जैन में अनावश्यक तोड़ फोड़ ना हो। प्राचीन मंदिरों का संरक्षण हो व किसानों की मांग पर आप ध्यान देकर उसे लागू करने हेतु आदेश पारित करे तो इस प्रचण्ड जीत का पुरुस्कार उज्जैन वासियों का होगा।

पत्र के जरिए मुख्यमंत्री से ये मांग की-

1. सिंहस्थ भूमि जो आरक्षित हैं उसे मुक्त किया जाए।

2. भूमि को अधिग्रहित करने पर कृषकों को दुगना मुआवजा दिया जाए।

3. सिंहस्थ क्षेत्र में निवास करने वाले कृषकों को गोवंश, ट्रैक्टर लाने ले जाने आदि पर प्रतिबंध न हो। 4. सिंहस्थ क्षेत्र में किसानों गोवंश, कृषि सामग्री, अनाज, खेती के उपकरण, ट्रैक्टर, ट्राली, वाहन और अन्य सामग्री रखने के लिए उपकरण के लिए भूमि छोड़ी जाएं। 5. सिंहस्थ क्षेत्र 2 सेक्टरों में विभाजित हैं। 6. दोनों सेक्टरों में से सिंहस्थ क्षेत्र से किसानों के दो दो प्रतिनिधि लिए जाएं। 7. जिस प्रकार साधु, संत अपनी अखाड़ों की भूमि पर गार्डन एवं लाज का किराया लेते हैं।

महेश नवमी पर्व पर प्रतिभाओं, प्रतियोगिता में विजेताओं का सम्मान किया

उज्जैन। पांच दिवसीय महेश नवमी पर्व अन्तर्गत अंतिम दिवस माहेश्वरी सभा परिवारों की विलक्षण शैक्षणिक प्रतिभाओं तथा प्रतियोगिता में भाग लेकर विजेताओं का सम्मान समारोह भरत सारडा सीए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य के मुख्य आतिथ्य, माहेश्वरी सभा उज्जैन अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी की अध्यक्षता, उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, ओमप्रकाश काबरा सहसचिव पश्चिमांचल सभा, भूपेन्द्र भूतड़ा पूर्व अध्यक्ष, प्रकाश सोडानी अध्यक्ष ट्रस्ट, संगीता भूतड़ा अध्यक्ष माहेश्वरी सभा महिला मंडल, पायल भूतड़ा अध्यक्ष माहेश्वरी सभा प्रगति महिला मंडल, अर्पण इनानी अध्यक्ष युवा संगठन, विरेन्द्र कुमार गट्टानी सचिव माहेश्वरी सभा, प्रकाशचंद प्रहलाद दास सोडानी मुख्य संयोजक महेश नवमी पर्व 2024 के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम भगवान महेश की पूजा अर्चना, माल्यार्पण महेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत कर जिले की ओर से लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, माहेश्वरी सभा की ओर से कैलाश नारायण राठी, विरेन्द्र कुमार गट्टानी, अरुण कुमार भूतड़ा तथा सभी प्रासंगिक संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव तथा सदस्यों ने भरत सारडा का स्वागत किया गया।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास प्रयागराज में ज्ञान महाकुंभ आयोजित करेगा

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली द्वारा प्रयागराज में फरवरी मे ज्ञान महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने बताया कि जिस प्रकार प्राचीन भारत में ऋषि मुनि समस्याओं के समाधान हेतु नैमिषारण्य में एकत्रित होते थे।

उसी प्रकार न्यास के इस ज्ञान महाकुंभ में शिक्षा के सभी घटक एक साथ एकत्रित होकर देश की शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु मंथन करेंगे। प्रयागराज में आयोजित होने वाले इस ज्ञान महाकुंभ से पूर्व देश के चार अलग अलग भागों में ज्ञान कुंभ आयोजित किए जाएँगे, जिसमें उत्तर क्षेत्र का हरिद्वार में, पश्चिम का कर्णावती में, पूर्व का नालंदा में, दक्षिण का पुडुचेरी में आयोजित किए जाएँगे। इस ज्ञान महाकुंभ से निश्चित ही देश की शिक्षा को एक नया विकल्प देने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस ज्ञान कुंभ की महत्त्वता इससे ही समझी जा सकती है कि देशभर के सैकड़ों कार्यकर्ता 1 माह से लेकर 1 वर्ष तक का समय दान करेंगे। मुझे विश्वास है कि इस ज्ञान महाकुंभ से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने न्यास के नये दायित्वों की घोषणा करते हुए बताया कि केरल के ए विनोद अब न्यास के राष्ट्रीय संयोजक होंगे। महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष डॉ अजय तिवारी आत्मनिर्भर भारत विषय के राष्ट्रीय संरक्षक होंगे। मध्यप्रदेश के अशोक कड़ेल मध्यक्षेत्र के अध्यक्ष होंगे। साथ ही झाबुआ के ओम शर्मा मध्य क्षेत्र के संयोजक बनाये गये। भारतीय ज्ञान परम्परा के राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में दिल्ली के प्रो रमेश भारद्वाज कार्य देखेंगे।

प्रचार प्रसार संयोजक डॉ जफर महमूद ने बताया अभ्यास वर्ग में स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अजय तिवारी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति राजेश वर्मा सहित मध्य भारत से सुरेश गुप्ता, अशोक कड़ेल, शोभा पैठनकर, राकेश ढांड, ओम शर्मा, डॉ राजीव पंड्या, डॉ प्रेमलता चुटेल, डॉ गीता नायक, डॉ सुनीता जोशी, राम सागर मिश्र, धीरेंद्र भदोरिया, राजकुमार वाजपेई, डॉ अशोक सिंह, डॉ दिनेश दवे, डॉ राम मोहन शुक्ला, डॉ जफर महमूद, डॉ कर्मवीर आर्य, जितेंद्र आसाते प्रतिभागिता की।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय संयोजक ए विनोद ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 16-17 अगस्त 2024 को प्रचार-प्रसार की राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में आयोजित की जाएगी। 13, 14, 15 सितंबर 2024 को चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास के विद्यालय व महाविद्यालय स्तर की राष्ट्रीय कार्यशाला रायपुर में आयोजित की जाएगी।

21-22 सितंबर पर्यावरण विषय की राष्ट्रीय बैठक उदयपुर में आयोजित की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि आगामी 18-19 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक गुजरात के सोमनाथ में आयोजित की जाएगी।

इस वर्ष देशभर के चार भागों में होने वाले ज्ञान कुंभ नवम्बर दिसम्बर माह में आयोजित किए जाएँगे। साथ ही प्रयागराज में ज्ञान महाकुंभ 7, 8, 9 फरवरी 2025 को होगा।

युवा ब्राह्मण समाज झांसी की रानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस मनाएगा

उज्जैन। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज झांसी की रानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस मंगलवार को मनाएगा। हरी फाटक ओवर ब्रिज इंदौर रोड स्थित रोटरी पर विराजित ब्राह्मण वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा पर प्रातः 9 बजे माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अर्पित पुजारी ने समस्त ब्राह्मण समाज से अपील की है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर ब्राह्मण वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मी बाई को अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करे। कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील रूपेश मेहता, आयुष पुजारी, राजू बैरागी ने की है।

मुख्यमंत्री ने शिप्रा शुद्धीकरण के लिए कान्ह डक्ट परियोजना का किया भूमिपूजन, उज्जैन को दी अनेक सौगातें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे कई वर्षों का संकल्प मूर्तरूप लेने जा रहा है। हमने सभी सन्तों के साथ यह संकल्प लिया था कि शिप्रा नदी के जल को निर्मल और स्वच्छ बनाएंगे और कान्ह नदी का पानी शिप्रा में मिलने से रोकेंगे। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम से अब कान्ह का दूषित जल मां शिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। कान्ह का पानी गंभीर नदी के निचले किनारे तक पहुंचाया जाएगा, जिसे भी शुद्धिकरण किया जायेगा और आसपास के किसानों को सिंचाई के लिये पानी मिलेगा। 600 करोड़ रुपये की लागत से आने वाले समय में सेवरखेड़ी में बैराज निर्मित कर शिप्रा का पानी लिफ्ट कर सिलारखेड़ी ले जाया जाएगा और वहां से पुनः शिप्रा में छोड़ा जाएगा। इससे शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा।

मां शिप्रा शुद्धिकरण का संकल्प ले रहा है मूर्तरूप : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के ग्राम डेंडिया स्थित शनि मन्दिर के पास आयोजित 817 करोड़ की लागत से कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना एवं अन्य भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में लगभग 598.66 करोड़ की लागत से बनने वाली कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन किया। इसके अतिरिक्त लगभग 217 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद सन्त बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, जितेन्द्र सिंह पण्ड्या, तेजबहादुर सिंह चौहान, विवेक जोशी, नगर निगम सभापति कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर, उपाध्यक्ष शिवानी कुंवर, बहादुर सिंह बोरमुंडला, विशाल राजौरिया, महन्त अनन्त पुरी, महन्त रामेश्वरदास सहित अन्य सन्तजन, तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश राजौरा, संभागायुक्त संजय गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उज्जैन-जावरा मार्ग फोरलेन बनेगा

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पांच हजार करोड़ की लागत से उज्जैन-जावरा फोरलेन व्हाया नागदा का शीघ्र निर्माण पूरा होगा। वहीं उज्जैन-इन्दौर सिक्सलेन का शीघ्र भूमिपूजन किया जाएगा। विकास का यह क्रम सन्त समाजजनों के सहयोग से निरन्तर जारी रहेगा। विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसके माध्यम से श्रद्धालु कम समय में महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर जैसे तीर्थ स्थानों पर पहुंच सकेंगे। वहीं उज्जैन से पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के माध्यम से यात्री उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, इन्दौर, सिंगरोली, खजुराहो की हवाई सेवा का लाभ भी ले सकेंगे।

आयुष्मान कार्डधारियों के लिए निःशुल्क एयर एंबुलेंस सेवा

उन्होंने कहा कि उज्जैन में निरन्तर विकास के कार्य चल रहे हैं तथा यहां के निवासियों को नित्य कई सौगातें मिल रही है। उन्होंने कहा कि सभी पात्रता धारी अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवायें, जिससे उन्हें पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त हो सके। एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से आयुष्मान कार्ड धारी गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को कम समय में मुम्बई, दिल्ली जैसे शहरों पर उपचार हेतु पहुंचाया जाएगा। यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमार व्यक्ति की जान बचाना हमारी प्राथमिकता है।

भगवान कृष्ण और राम के लीला स्थलों का होगा विकास

उज्जैन और इन्दौर संभाग सहित प्रदेश के सभी देवस्थानों व सभी धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास किया जायेगा। भगवान महाकाल के महालोक का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया गया। उसके बाद उज्जैन की दशा बदली है। यहां के लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है।

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा केवल श्री महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर नहीं है बल्कि हमारे आस्था के केंद्र ज्योतिर्लिंगों के प्रति देश और दुनिया में स्थित श्रद्धालुओं की आस्था को जोड़ने का संकल्प हैं। इस आनंद में आज हम सभी सहभागी बन रहे हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव आज उज्जैन स्थित पुलिस लाइन में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन प्रारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के तहत प्रारंभ हो रहे हैं हेलीकॉप्टर की विधिवत पूजा अर्चना की और हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर हवाई सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेली सेवा के अंतर्गत प्रथम यात्री मुंबई से आई श्रीमती दिशा सिंह और उनके परिवार को विमान टिकट का वितरण किया। पहले चरण में भोपाल उज्जैन ओंकारेश्वर एवं इंदौर उज्जैन ओंकारेश्वर रूट पर यह हवाई सेवा प्रारम्भ की गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी पर इस सेवा की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवा का विस्तार निरंतर जारी रहेगा। आने वाले दिनों में हेलीकॉप्टर की संख्या और बढ़ाई जाएगी। जिसमें 16-16 यात्री हवाई सेवा का लाभ ले सकेंगे। प्रदेश के मैहर, दतिया, ओरछा, अन्य धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व के देव स्थलों भी हवाई यात्रा से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक उज्जैन उत्तर श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, एसीएस श्री राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव विमानन श्री संदीप यादव, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को पिछले दो दिनों में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। विकास का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उज्जैनवासियों ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की हैं। केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से धार्मिक स्थलों को पीछे करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैनवासियों को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के मामले में उज्जैन नित्य नए आयाम स्थापित कर रहा है। मां शिप्रा शुद्धिकरण के संकल्प को पूरा करने के लिए कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन किया गया। जिसमें बड़े आकार की लाइन के माध्यम से पूरी कान्हा नदी की दिशा बदली जायेगी।

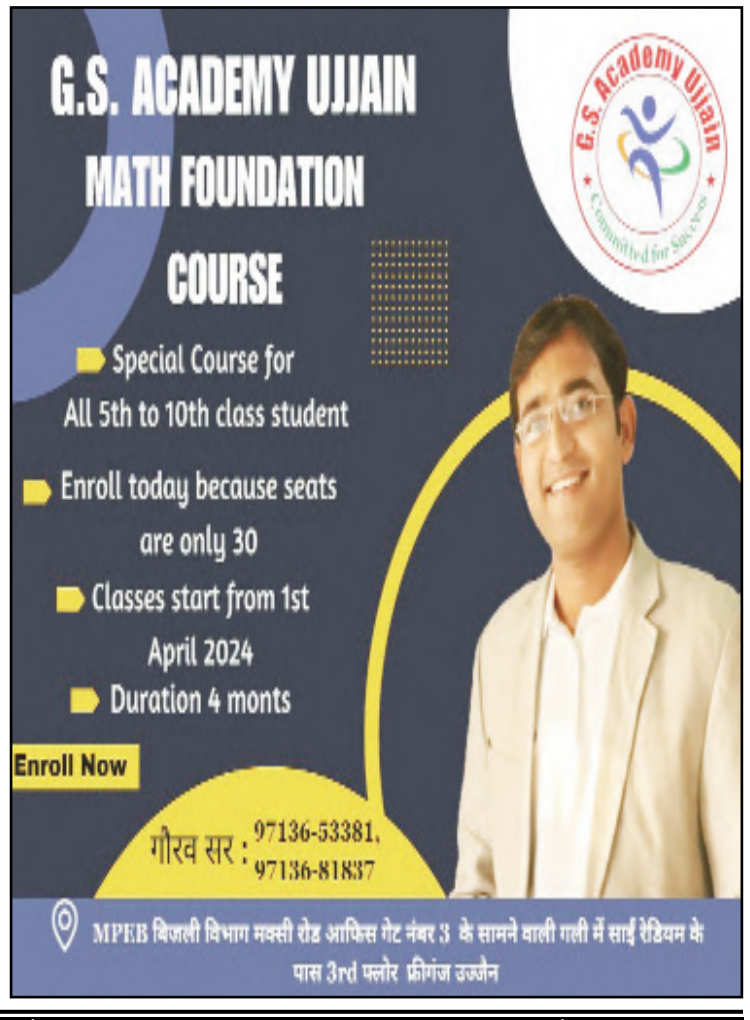

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)